भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 627
गुरूवार, 24 जुलाई, 2025/2 श्रावण, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन सेवाओं में डिजिटल परिवर्तन

627 श्रीमती किरण चौधरी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) निर्बाध पर्यटन सेवाएं प्रदान करने के लिए मोबाइल ऐप, डिजिटल गाइड और ई-टिकटिंग सहित डिजिटल प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या मंत्रालय ने पर्यटकों के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए वास्तविक समय पर्यटक सूचना प्रणाली और संवर्धित रियलिटी टूल विकसित किए हैं;

(ग) क्या पर्यटन नयाचार को बढ़ावा देने के लिए निजी प्रौद्योगिकी फर्मों और स्टार्टअप के साथ साझेदारी की गई है; और

(घ) नेशनल इंटीग्रेटेड डेटाबेस ऑफ़ हॉस्पिटेलिटी इंडस्ट्री (एनआईडीएचआई) और अन्य डिजिटल प्लेटफार्मों के कार्यान्वयन की क्या स्थिति है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और विविध आकर्षणों को देखने में रुचि रखने वाले यात्रियों एवं हितधारकों के लिए एक व्यापक संसाधन के रूप में अतुल्य भारत डिजिटल प्लेटफ़ार्म (आईआईडीपी) का नया संस्करण शुरू किया है। आईआईडीपी एआई से संचालित एक टूल का प्रयोग करता है जो कि मौसम की वास्तविक समय की जानकारी, सिटी एक्सप्लोरेशन और आवश्यक यात्रा सेवाओं के माध्यम से आगंतुकों के अनुभव को व्यक्ति के अनुसार (पर्सनलाइज़) बनाता है। इस पोर्टल ने फ्लाइट, होटल, कैब और बसों तथा एएसआई स्मारकों की टिकटों की निर्बाध रूप से बुकिंग करने के लिए कई ओटीए (ऑनलाइन ट्रैवल एजेंट) और हितधारकों के साथ भी साझेदारी की है।

निधि+ प्लेटफ़ॉर्म पर आवास इकाइयों के अनुमोदन और वर्गीकरण के साथ-साथ अन्य प्रमुख पर्यटन सेवा प्रदाताओं के अनुमोदन, मान्यता और पंजीकरण भी शामिल है। सेवा प्रदाताओं को विश्वसनीय वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करने के लिए इस पोर्टल को आईआईडीपी के साथ भी एकीकृत किया गया है।

*****